INSTC से भारत में रूसी माल

प्रलिम्सि के लयि:

मध्य एशयिा, बाल्टकि, चाबहार बंदरगाह, **JCPOA**, INSTC

मेन्स के लयि:

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षणि परविहन गलयिारे की संभावनाएँ, महत्त्व, और चुनौतयिाँ

स्रोत: इकॉनोमकि टाइम्स

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रूस ने **पहली बार** अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षणि परविहन गलयिारे **(International North-South Transport Corridor-INSTC)** से **कोयले** से भरी दो ट्रेनें भारत भेजी हैं।

- यह परेषण (Consignment) रूस के **सेंट पीटर्सबर्ग** से ईरान के **बंदर अब्बास बंदरगाह** होते हुए मुंबई बंदरगाह तक **7,200** कलिोमीटर से अधकि की यात्रा करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षणि परविहन गलयिारा (INSTC) क्या है?

- **परचिय:**
  - INSTC **7,200 कलिोमीटर लंबा मल्टीमोड ट्रांज़टि रूट** है जो **हदि महासागर** और **फारस की खाड़ी** को **ईरान** के रास्ते **कैस्पयिन सागर** से और फरि **रूस** के **सेंट पीटर्सबर्ग** के रास्ते **उत्तरी यूरोप** से जोड़ता है।
  - यह **भारत, ईरान, अज़रबैजान, रूस, मध्य एशयिा और यूरोप** के बीच माल के परविहन के उद्देश्य से **जहाज़, रेल और सड़क मार्गों** को जोड़ता है।
- **उत्पत्ति:**
  - इसे **12 सतिंबर 2000** को **सेंट पीटर्सबर्ग** में सदस्य देशों के बीच परविहन सहयोग को बढ़ावा देने के लयि वर्ष 2000 में **यूरो-एशयिाई परविहन सम्मेलन** में **ईरान, रूस और भारत** द्वारा हस्ताक्षरति एक त्रपिक्षीय समझौते के तहत शुरू कयिा गया था।
- **अनुसमर्थन:**
  - वर्तमान में INSTC की सदस्यता में **10 और देश (कुल 13) शामलि हो गए हैं जनिमें अज़रबैजान, आर्मेनयिा, कज़ाकस्तान, करि्गज़िस्तान, ताजकिस्तान, तुर्की, यूक्रेन, सीरयिा, बेलारूस** और **ओमान शामलि हैं।**
- **मार्ग और मोड:**
  - **सेंट्रल कॉरडिोर:** यह मुंबई में जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह से शुरू होता है और होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर **बंदर अब्बास बंदरगाह (ईरान)** को जोड़ता है। इसके पश्चात् यह नौशहर, अमीराबाद और बंदर-ए-अंज़ाली से होता हुआ ईरानी क्षेत्र से गुज़रता है और कैस्पयिन सागर से होते हुए रूस में ओल्या और अस्त्राखान बंदरगाह तक वस्तिारति होता है।
  - **पश्चमिी कॉरडिोर:** यह अस्तारा (अज़रबैजान) और अस्तारा (ईरान) के सीमा-पार नोडल बदिुओं से**अज़रबैजान के रेलवे नेटवर्क को ईरान से जोड़ता है** और आगे समुद्री मार्ग के माध्यम से भारत में जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह से जुड़ता है।
  - **पूर्वी कॉरडिोर:** यह **कज़ाकस्तान, उज़्बेकस्तान और तुर्कमेनस्तान** जैसे मध्य एशयिाई देशों के माध्यम से रूस को भारत से जोड़ता है।

//

भारत के लयि INSTC का क्या महत्त्व है?

- **व्यापार मार्गों का वविधीकरण:**
  - INSTC **भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य** और लाल सागर (**सवेज नहर मार्ग**) जैसे अवरोध बदिुओं को पार करने की अनुमति देता है, जिससे उसका व्यापार अधिक सुरक्षित हो जाता है।
  - **इजराइल-हमास संघर्ष** और दक्षिणी **लाल सागर** में जहाजों पर **हूती हमलों** ने वैकल्पिक व्यापार मार्गों के महत्व को उजागर किया है।
  - इसके जरिये **भारत पाकिस्तान और अस्थिर अफगानिस्तान को दरकिनार** कर मध्य एशिया तक पहुँच सकता है।
- **मध्य एशिया के साथ बेहतर संपर्क:**
  - यह भारत को **रूस, काकेशस और पूर्वी यूरोप के बाजारों से जोड़ता है** तथा "**कनेक्ट सेंट्रल एशिया**" जैसी पहलों के माध्यम से मध्य एशियाई गणराज्यों के साथ व्यापार, ऊर्जा सहयोग, रक्षा, आतंकवाद-रोधी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाता है।
  - **स्वेज नहर** मार्ग की तुलना में **INSTC से पारगमन समय में 20 दिन की कमी आती है तथा माल ढुलाई लागत** में 30% की कमी आती है।
- **ऊर्जा सुरक्षा:**
  - INSTC **रूस और मध्य एशिया** में ऊर्जा संसाधनों तक भारत की पहुँच को सुगम बनाता है तथा मध्य पूर्व पर निर्भरता को कम कर सकता है।
  - **रूस-यूक्रेन युद्ध** के बाद से रूस से **धातुकर्म कोयले का आयात तीन** गुना बढ़ गया है, तथा **ऑस्ट्रेलिया से आयात में गिरावट के बीच इसके** और बढ़ने की उम्मीद है।
- **ईरान और अफगानिस्तान के साथ संबंधों को मज़बूत करना:**
  - भारत ने **ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत** में **चाबहार बंदरगाह** में निवेश किया है और INSTC के लिये एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसका उद्देश्य मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार को सुविधाजनक बनाना है।
  - **चाबहार बंदरगाह भारत, ईरान और अफगानिस्तान के लिये आवश्यक है क्योंकि यह क्षेत्र में सीधे समुद्री पहुँच और व्यापार के अवसर प्रदान करता है।**

INSTC के पूर्ण उपयोग से संबंधित चुनौतियाँ क्या हैं?

- **सीमित अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण:** चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (Belt and Road Initiative- BRI) के विपरीत, जिसके समर्पित वित्तपोषण संस्थान हैं, INSTC को **विश्व बैंक** और **एशियाई विकास बैंक** जैसे प्रमुख संस्थानों से पर्याप्त वित्तीय वित्तपोषण नहीं मिलता है।
- **ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध:** वर्ष 2018 में **संयुक्त व्यापक कार्य योजना (Joint Comprehensive Plan of Action- JCPOA)** से अमेरिका के हटने के बाद ईरान पर लगाए गए कठोर प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप कई वैश्विक कंपनियाँ ईरान में बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं से हट गईं।
- **मध्य एशिया में सुरक्षा चिंताएँ:** मध्य एशिया में **इस्लामिक स्टेट** (Islamic State- IS) जैसे आतंकवादी संगठनों की उपस्थिति इस गलियारे पर एक

महत्त्वपूर्ण सुरक्षा खतरा पैदा करती है, जो निवेश और मार्ग के सुचारू संचालन को बाधित कर सकती है।
- **विभेदक टैरिफ और सीमा शुल्क:** सदस्य देशों में **सीमा शुल्क विनियमों** और टैरिफ संरचनाओं में असमानताएँ माल की आवाजाही के लिये जटिलताएँ और देरी पैदा करती हैं।
- **असमान बुनियादी ढाँचा विकास:** इस गलियारे में परिवहन के विभिन्न **साधनों (जहाज, रेल, सड़क)** का उपयोग किया जाता है। सदस्य देशों में असमान बुनियादी ढाँचे का विकास, विशेष रूप से ईरान में अविकसित रेल नेटवर्क, अड़चनें पैदा करता है और माल की निर्बाध आवाजाही में बाधा डालता है।
    - गलियारे और इसके **व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिये संयुक्त कार्य योजना** का अभाव है।

आगे की राह

- **सक्रिय दृष्टिकोण:** INSTC की सफलता के लिए विशेष रूप से संस्थापक सदस्यों भारत और रूस द्वारा सक्रिय दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है।
    - इसमें संयुक्त विपणन प्रयास, बुनियादी ढाँचे के विकास की पहल और राजनीतिक बाधाओं को दूर करने के लिये कूटनीतिक प्रयास शामिल हो सकते हैं।
- **वित्तपोषण अंतराल:** बुनियादी ढाँचे के विकास और गलियारे के रखरखाव के लिये पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है।
    - क्षेत्र में बेहतर सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता के माध्यम से जोखिमों को कम करके निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।
- **सीमा शुल्क और शुल्कों को सुव्यवस्थित करना: सामंजस्यपूर्ण सीमा शुल्क** व्यवस्था लागू करने और पारस्परिक मान्यता समझौतों को लागू करने से प्रक्रियाएँ सरल हो जाएँगी और माल की आवाजाही में तेजी आएगी।

निष्कर्ष:

- INSTC कॉरिडोर में भारत, रूस, ईरान और बाल्टिक और स्कैंडिनेवियाई देशों के बीच एक मजबूत व्यापार संबंध बनाने की क्षमता है। यह अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा दे सकता है, शामिल देशों के बीच संबंधों को बेहतर बना सकता है और मध्य एशिया में चीन के प्रभाव का मुकाबला कर सकता है। हालाँकि, नौकरशाही और क्षेत्रीय संघर्ष जैसी चुनौतियाँ हैं जिन्हें INSTC की सफलता के लिए संबोधित करने की आवश्यकता है।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) का भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक महत्व क्या है?

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????

प्रश्न. भारत द्वारा चाबहार बंदरगाह विकसित करने का क्या महत्त्व है? (2017)

(a) अफ्रीकी देशों से भारत के व्यापार में अपार वृद्धि होगी।
(b) तेल-उत्पादक अरब देशों से भारत के संबंध सुदृढ़ होंगे।
(c) अफगानिस्तान और मध्य एशिया में पहुँच के लिये भारत को पाकिस्तान पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा।
(d) पाकिस्तान, इराक और भारत के बीच गैस पाइपलाइन का संस्थापन सुकर बनाएगा और उसकी सुरक्षा करेगा।

उत्तर: C

??????:

प्रश्न. इस समय जारी अमेरिका-ईरान नाभिकीय समझौता विवाद भारत के राष्ट्रीय हितों को किस प्रकार प्रभावित करेगा? भारत को इस स्थिति के प्रति क्या रवैया अपनाना चाहिये? (2018)

प्रश्न. भारत की ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न भारत की आर्थिक प्रगति का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भाग है। पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के ऊर्जा नीति सहयोग का विश्लेषण कीजिये। (2017)